

weit eher, noch mehr (also = किमुतः) इयं च मक्षाप्रतिज्ञा शक्रब्रह्मादी-  
नामपि दुष्करा प्रागेव मनुष्यभूतानाम् *wie viel mehr für die Menschen*;  
यत्रामनुष्याः प्रलयं गच्छन्ति प्रागेव मनुष्याः BURNOUR in Lot. de la b. l.  
382. Nach H. an. und MED. bedeutet प्राक् auch *dazwischen* (घवात्तरे)  
und *am frühen Morgen* (प्रभाते). *vor* mit dem ablat. P. 2, 1, 12. 3, 29.  
सिन्धोः MBH. 2, 2146. R. 2, 98, 6. AK. 2, 7, 15. H. 996. प्राक्स्तर-  
णात् KĀTJ. ÇR. 2, 6, 38. 4, 11, 9. 6, 9, 2. 7, 2, 2. प्राक्प्रधानेऽयायाः 25, 5, 15, 16.  
ĀCV. ÇR. 4, 13. प्राक् शरीरस्य विलसः KĀTHOP. 6, 4. KĀND. UP. 2, 9, 7. 5, 3,  
7. Nir. 12, 13. M. 2, 29 (MBH. 3, 12484). BHAG. 5, 23. RAGH. 14, 78. KUMĀRAS.  
2, 4. ÇĀK. 118. KATHĀS. 11, 80. RĪĀ-TAR. 5, 45. प्रागेकादशम्यः *vor elf*  
P. 5, 3, 49. VOP. 3, 131. *vor* (in einem Buche) P. 1, 4, 56. 2, 1, 3. 4, 1, 83.  
4, 1, 75. 5, 1, 1. 18. 3, 1, 70. 8, 3, 63. PAT. zu P. 1, 1, 38. Mit dem gen.:  
प्राग्भक्तं नाम यत् प्राग्भक्त्योपयुज्यते SUÇA. 2, 354, 14. Kann mit seinem  
subst. auch zu einem adverb. comp. verbunden werden P. 2, 1, 12.  
प्रागग्रामम् Sch. प्राक् fehlerhaft für ढाक् MBH. 3, 4145. — 3) प्राचौ instr.  
*vorwärts*: प्र तं प्राचा नयति ब्रह्मणस्पतिः RV. 2, 26, 4. प्राचा गव्यतः प-  
थुर्षवो ययुः 7, 83, 1. — 4) प्राचस् ablat. *von vorn*: सर्वे प्राचो वि मि-  
माय मनैः (द्यावापृथिवी) RV. 2, 15, 3.

प्राञ्जन (von अञ्ज् mit प्र) n. *Anstrich oder Kitt* (des Pfeils) AV. 4, 6, 5.

प्राञ्जल adj. *gerade* TRIK. 3, 1, 26. H. 375. GĀTĀDB. im ÇKDR. Davon

०ता f. nom. abstr. *Geradheit*: कुञ्जकः प्राञ्जलतां गतः PĀNĪKAT. 263, 10.

— Viell. in 1. प्र + अञ्जलि zu zerlegen; vgl. प्रगुण.

प्राञ्जलि (1. प्र + अञ्जलि) adj. *die hohl an einander gelegten Hände*  
*ausstreckend* (als Zeichen der Ehrerbietung und Unterwerfung) Gobu.  
1, 6, 15. M. 2, 192. N. 3, 7, 14, 4. 26, 30. SUND. 1, 19. MBH. 5, 7000. 7284.  
R. 1, 2, 27. SUÇA. 1, 105, 19. तितिन्यस्तज्ञानुप्राञ्जलयः RĪĀ-TAR. 5, 50.  
DAÇAK. in BENF. Chr. 193, 16. ०स्थित R. 6, 105, 1. fem N. 5, 16. 24, 20.  
SUND. 3, 19. R. 1, 18, 22. 63, 13. R. GORR. 1, 66, 2. प्राञ्जली 5, 21, 22.  
प्राञ्जलिद्वैतम् m. pl. N. einer Schule Ind. St. 1, 61. st. dessen प्राञ्जल-  
ना द्वैतम्; प्राञ्जला द्वैतभ्याः u. s. w. 3, 274. fg. MÜLLER, SL. 374.

प्राञ्जलिक adj. *dass.* MBH. 8, 4780.

प्राञ्जलिन् adj. *dass.* HARIV. 8415.

प्राडाकृति m. patron. *gāṇa* तौत्त्वल्यादि zu P. 2, 4, 61.

प्राड्विवाक (प्राङ् + वि०) m. *Richter* AK. 2, 8, 4, 5. H. 720. HALĀJ. 2,  
274. M. 8, 79. 181. 9, 234. MBH. 12, 4454. MIT. 143, 8. 9.

प्राण (von अन् mit प्र) adj. P. 8, 4, 20, Sch.

1. प्राणै (wie eben) m. 1) *Hauch, Athem*; im engsten Sinne *die ein-  
geathmete Luft*, im weitesten *Lebenshauch* überh., *Lebensgeist, Lebens-  
organ*; pl. *Leben* AK. 2, 8, 38. TRIK. 3, 3, 133. 5, 6. H. 1367. an. 2, 147.  
fg. MED. p. 21. HALĀJ. 1, 184. RV. 1, 66, 1. 10, 89, 6. प्राणाद्वायुरज्ञायत  
90, 18. मेमं प्राणो ह्यसीन्मे अयानः AV. 2, 28, 8. 3, 13, 7. प्राण, व्यान,  
चतुस् 5, 4, 7. 6, 41, 2. 7, 83, 3. 8, 1, 1. 3. 10, 2, 13. सा नो भूमिः प्राणमायुर्द-  
धातु 12, 1, 22. 18, 2, 46. वातं प्राणमन्ववसृजतात् AIT. Br. 2, 6. VS. 16, 10.  
वायुः प्राणः प्राणो रेतः AIT. Br. 3, 2. अङ्गानि, प्राणाः 4, 28. पुरस्तद्धि  
नाभ्यै प्राण उपरिष्टादयानः TS. 3, 4, 4. 4. प्राणान्प्रजानां शुग्च्छक्ति 7, 2,  
3, 5. नसोः प्राणः 5, 5, 2. यस्ते प्राणः पशुषु प्रविष्टः des Soma KĀTJ.  
ÇR. 2, 8, 14. — ÇAT. Br. 3, 1, 3, 20. 10, 5, 3. 14. 11, 6, 3, 10. प्राणापतन  
12, 5, 3, 6. KĀTJ. ÇR. 25, 7, 20. यत्प्राणेन न प्राणिमिति येन प्राणः प्रणीयते ।

IV. Theil.

तदेव ब्रह्म त्वं विद्धि KENOP. 1, 3. KĀND. UP. 5, 1, 15. M. 4, 23. प्राणास्य  
निग्रहः 6, 71. प्राणान्पु त्रिरायम्य 11, 149. BHAG. 4, 29. 80. सर्वप्रियक-  
रस्तस्य रामस्यापि शरीरतः । लक्ष्मणो लक्ष्मिसंपन्नो बद्धिः प्राण इवापरः ॥  
R. 1, 19, 21. प्राणो बाह्य इवापरः 6, 26, 28. (लक्ष्मणः) रामस्य दन्तिषो  
वाङ्मूर्तिर्यं प्राणो बद्धिश्चरः 4, 26. ऊर्ध्वं प्राणा क्षुत्कामान्ति यूनः स्थविर  
आयति । प्रत्युत्थानाभिवादाभ्यां पुनस्तान्प्रतिपद्यते ॥ M. 2, 120 (= MBH.  
5, 1398). प्राणस्यान्निमिदं सर्वं प्रजापतिरकल्पयत् । स्थावरं जङ्गमं चैव सर्वं  
प्राणास्य भोजनम् ॥ 3, 28. प्राणानां निष्क्रमः KATHĀS. 25, 143. अत्ययः M.  
5, 27. प्राणानां परिणतार्थम् 10, 106. प्राणैरुपक्रोशमलीमसैः RAGH. 2, 53.  
प्राणैः कण्ठवर्तिभिः 12, 54. प्राणानां कठिनता Spr. 1894. प्राणाः क्षीयते  
M. 7, 112. (शोकः) उच्छ्वसयति वै प्राणान् DAÇ. 2, 65. मम प्राणास्त्रासा-  
क्रान्ताः प्रयात्यमी VID. 119. KĀTAK. 2. प्राणा यानु विभावसी Spr. 3713.  
प्राणानामनिलेन वृत्तिरुचिता सत्कल्पवृत्ते वने ÇĀK. 171. प्राणान्परित्य-  
जेत् M. 11, 79. Spr. 370. VID. 183. जैहै DAÇ. 1, 50. अयि प्राणाः प्रदा-  
तव्याः Spr. 2911. मुञ्चेत्प्राणान्भवादियम् VID. 121. एष मे मुञ्चतु प्राणान् *das*  
*Leben lösen* so v. a. *entziehen* N. 24, 27—29. रत्नं निरुन् Spr. 1319.  
यावत्प्राणान्धारिष्यामि R. 1, 22, 5. N. 18, 9. PRAB. 92, 6. पुण्यं प्राणा-  
न्धारयति MBH. 1, 6056. यावच्च मे धरिष्यन्ति प्राणा देहे N. 5, 31. प्राणै-  
र्वियुज्यते R. 1, 32, 19. प्राणैर्विमुच्यते Spr. 2532. प्राणानवसृजामि ते *ich*  
*schenke dir das Leben* N. 26, 22. प्राणादेहि नः VID. 207. KATHĀS. 20,  
153. 49. 92. तयोर्देवनमत्रासीत्प्राणयोः *um's Leben* MBH. 2, 2316. N. 26, 6.  
प्राणैर्बहुमता (Schol.: प्राणैः = प्राणेभ्यः) *lieb wie das eigene Leben*  
R. 1, 67, 23. त्वं मे प्राणः *du bist mein Lebensodem* so v. a. *ich liebe dich*  
*wie das eigene Leben* VID. 307. प्राणवद्रत्नयेद्वयान् Spr. 1890. पतिप्राणा  
so v. a. *den Gatten wie das eigene Leben liebend* 1687. 3237. मानप्राणा  
हि मादशाः *die Ehre wie das Leben liebend* KATHĀS. 39, 163. वत्प्राणाः  
सर्वदेवताः *durch dich lebend* MĀK. P. 99, 29. *die Lebenshauche* wer-  
den in der verschiedensten Weise gezählt, z. B. drei: स वा अयं प्राण-  
स्त्रेधा विद्धिः प्राणो ऽपानो व्यानः AIT. Br. 2, 29. TAITT. UP. 2, 2. SUÇA.  
1, 128, 20. gewöhnlich fünf ÇAT. Br. 9, 2, 3, 5. प्राण, अपान, समान, व्यान.  
उदान MBH. 12, 6844. fg. 14, 612. SUÇA. 1, 250, 7. KAP. 2, 31. TATTVAS.  
32. AK. 1, 1, 4, 59. H. 1108. प्राणो नाम प्राग्गमनवावसाप्रस्थानवर्ति  
VEDĀNTAS. (Allah.) No. 54. als Sohn des अपान MBH. 12, 12397. प्राण,  
वाच्, चतुस्, श्रोत्र, मनस् KĀND. UP. 2, 7, 1. (Stinnesorgan) COLEBR. Misc.  
Ess. I, 339. 355; vgl. KULL. zu M. 4, 143). sechs ÇAT. Br. 14, 1, 2, 32.  
sieben AV. 2, 12, 7. सप्त वै शीर्षप्राणाः AIT. Br. 1, 17, 3, 3. ÇAT. Br. 3,  
1, 2, 21. 13, 1, 2, 2. MUṆD. UP. 2, 1, 8. neun AV. 5, 28, 1. TS. 3, 5, 40, 2.  
TBH. 1, 3, 2, 4. ÇAT. Br. 1, 3, 2, 5. PĀNĪKAV. Br. 22, 12, 5. zehn ÇAT. Br.  
11, 6, 2, 7. *Hauch des Windes* AV. 6, 62, 1. ÇAT. Br. 5, 2, 4, 10. = वात,  
अनिल TRIK. 3, 3, 133. H. an. MED. शरीरात्तः संचारी वायुः प्राणः स  
चैको ऽप्युपाधिभेदात्प्राणापानादिसंज्ञा लभते TARKAS. 10. अद्भिः प्राणा-  
नुपस्पृशेत् *Mund und Nase*, vermittelt deren *man athmet*, M. 4, 143. माहूतं  
ज्ञातः प्राणम् HARIV. 6564. प्राण = काव्यजीव *der Odem* —, *das Leben*  
*in einem Gedicht* MED. *poetisches Talent, poetische Begeisterung* WIL-  
SON; vgl. काव्यप्राण u. प्रसाद. वसिष्ठस्य प्राणः N. eines Sāman Ind.  
St. 3, 233, b. — 2) *die Seele* (पुरुष) TATTVAS. 18. — 3) *starker Athem*  
(als Zeichen von Kraft); *Kraft* AK. 2, 8, 3, 71. TRIK. H. 796. H. an. MED.  
(wo बले st. ऽबले zu lesen ist). HALĀJ. 4, 38. पर्वतभारता मन्दप्राणविचे-